ओडिशा के बांस किसानों और कारीगरों का एक्सपोजर दौरा सह प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने दिनांक 1 से 10 सितंबर, 2023 तक ओडिशा के बांस किसानों और कारीगरों के लिए दस दिवसीय परिचयात्मक दौरा सह प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम ओडिशा बांस विकास एजेंसी, ओडिशा सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम में दो वन अधिकारियों सहित दस बांस किसान और कारीगर थे। संस्थान के निदेशक डॉ. आर. के. बोरा ने एक संक्षिप्त उद्घाटन सत्र में पारंपरिक फुलम गमोसा के साथ प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रतिभागियों को संबोधित किया। संस्थान के विस्तार प्रभाग के प्रमुख श्री आर. के. कलिता, जो प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम-निदेशक भी हैं, ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री आर. के. कलिता ने ओडिशा के लोगों के लिए बांस आधारित रोजगार के अवसरों पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बांस प्रवर्धन और नर्सरी तकनीक पर भी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बांस की खेती और प्रबंधन पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बांस क्षेत्र के विकास के लिए तीन सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में चर्चा की, जैसे उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण स्टॉक की आवश्यकता, बड़े पैमाने पर व्यावसायिक खेती तथा उद्यमिता विकास। उन्होंने स्थान, जलवायु और मृदीय स्थितियों के आधार पर प्रजातियों के चयन; सामान्य उपयोग; व्यावसायिक उपयोग; बाज़ार प्राथमिकता; रोपण सामग्री की उपलब्धता पर जोर दिया। उन्होंने कम से कम दो-तीन प्रजातियों को एक साथ उगाने पर भी जोर दिया। उन्होंने भूमि की तैयारी, योजना विधि, स्पेसिंग, उर्वरक और सिंचाई, अंतर-सांस्कृतिक संचालन, अंतर-फसल, कटाई आदि जैसी अन्य कृषिवानिकी पद्धतियों के बारे में बताया। प्रशिक्षार्थियों को संस्थान की बांस पर एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया।

प्रशिक्षण के पहले दिन प्रतिभागियों ने संस्थान की बांस से संबंधित विभिन्न अनुसंधान और विकास सुविधाओं का दौरा किया। श्री कुमुद बोरा और श्री देबोजीत नियोग ने विभिन्न बांस प्रवर्धन तकनीकों जैसे राइजोम, कल्म कटिंग, ब्रांच कटिंग, मैक्रो–प्रोलिफरेशन का प्रदर्शन किया। उन्होंने कटिंग, नर्सरी विधियों, मृदा सौरीकरण प्रक्रिया, रोपण विधियों आदि में हार्मोन की तैयारी और अनुप्रयोग का भी प्रदर्शन किया। कैज़ुअल नर्सरी कार्मिक, श्री बुधेश्वर राजखोवा ने विभिन्न कार्यों में सहायता प्रदान किया।

प्रतिभागियों को असम के शिवसागर जिले के क्षेत्र भ्रमण पर ले जाया गया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के बांस हस्तशिल्प उत्पाद विक्रय करने वाली विभिन्न

दुकानों का दौरा किया। उन्होंने अहोम राजवंश द्वारा निर्मित रंग घर, तोलाताल घर, शिव मंदिर आदि ऐतिहासिक स्मारकों को भी देखा। उन्होंने बोकोटा क्षेत्र के न-नाथ गांव में श्री मोहन सैकिया की बांस हस्तशिल्प इकाई का दौरा किया, जहां प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में बांस हस्तशिल्प उत्पादों को देखा। उन्होंने श्री सैकिया और अन्य बांस श्रमिकों के साथ बातचीत की और कारखाने को देखा। श्री आर.के. कलिता, श्री विभूति डेका और श्री एन.सी. दास ने आज प्रतिभागियों को शिवसागर में मार्गदर्शन किया।

डॉ. आर. डी. बरठाकुर, एसीटीओ, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने बांस संरक्षण उपचारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न संरक्षण उपचार विधियों, प्रयुक्त रसायनों, उपचार की अवधि और मात्रा, लागत गणना आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा किया। उन्होंने विभिन्न बांस संरक्षण उपचार तकनीकों का भी प्रदर्शन किया। डॉ. बरठाकुर ने बांस चारकोल बनाने के सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने ईंट भट्टे में बांस की लोडिंग और स्टैकिंग का प्रदर्शन किया।

डॉ. आर. डी. बोरठाकुर, एसीटीओ, व.व.अ.सं., जोरहाट ने बांस चारकोल बनाने की तकनीक की फायरिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षुओं ने गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने हाथों से प्रदर्शन किया। प्रशिक्षुओं ने विभिन्न बांस हस्तशिल्प वस्तुओं को बनाने का कौशल भी सीखा। श्री दुलाल बोरा, श्री देबकांत बोरा और श्री नृपेन गोगोई ने इन उत्पादों को बनाने के विभिन्न कौशल सिखाए।

प्रतिभागियों ने कुर्सी, ट्रे, फूल, नैपकिन स्टैंड और दीवार घड़ी बनाने से जुड़ी विभिन्न तकनीकें सीखीं। वे बांस के तख्ते बनाने का भी शौक रखते थे। इनमें से कई वस्तुओं की स्थानीय बाजार में अच्छी मांग है। उन्होंने इन वस्तुओं को पूर्णता के साथ बनाने का प्रयास किया है। श्री दुलाल बोरा, श्री नृपेन गोगोई और श्री देबकांता बोरा ने सूक्ष्मतापूर्वक योजना बनाई और विभिन्न तकनीकों और कौशल सिखाए। डॉ. आर. डी. बोरठाकुर, एसीटीओ, व.व.अ.सं., जोरहाट ने बांस चारकोल ब्रिकेट बनाना भी सिखाया।

श्री सुदीप नायक, आईएफएस, मिशन निदेशक, ओडिशा बांस विकास एजेंसी, ओडिशा सरकार ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया और प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की। उन्होंने संस्थान की बांस से संबंधित विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को देखा। एक सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा संस्थान में उनका औपचारिक स्वागत किया गया, जहां प्रतिभागियों को प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉ. कुलकर्णी ने प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित किया और उनसे भविष्य में भी इस कारीगरी को जारी रखने का आग्रह किया ताकि वे अपनी आजीविका कमा सकें। श्री नायक ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को उपकरणों का सेट उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने प्रशिक्षण प्रदान करने में सहयोग प्रदान करने के लिए भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.,जोरहाट की सराहना की।

प्रतिभागियों ने ईएसईएस बायो-वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, जागीरोड, मारीगांव का दौरा किया और बांस के विभिन्न आधुनिक उत्पादों जैसे बांस की लकड़ी के फर्श टाइल्स, बांस की लकड़ी के दरवाजे और चौखट, बांस की लकड़ी के फर्नीचर आदि को देखा। दौरे के दौरान उद्योग के मालिक श्री सौरभ सैकिया ने बांस की लकड़ी बनाने की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में बताया।

प्रतिभागियों ने नॉर्थ ईस्ट बेंत एवं बांस विकास परिषद, बर्नीहाट, गुवाहाटी का भी दौरा किया, जहां सलाहकार डॉ. टी. सी. भुइयां ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया।

GLIMPSES OF THE PROGRAMME

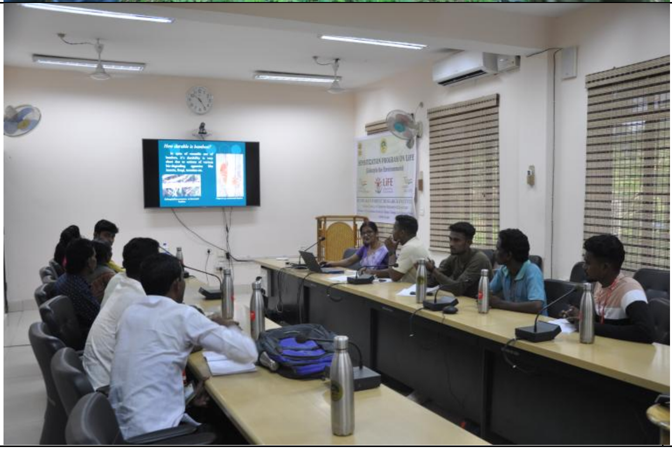

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023
Sponsored by
Odisha Bamboo Development Agency, Bhubaneswar (Odisha)
Organized by :
भा॰वा॰अ॰शि॰प॰ - वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
ICFRE-RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
LiFE
Lifestyle for Environment

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

EXPOSURE VISIT AND TRAINING OF BAMBOO FARMERS AND
ARTISANS UNDER NATIONAL BAMBOO MISSION
Duration: 31 August to 11 September, 2023

Sept 02, 2023

৩ পৃষ্ঠাত

৪ পৃষ্ঠাত

১০ পৃষ্ঠাত

১১ পৃষ্ঠাত

দিনটোৰ বাণী

অসম আদিত্য

Asom Aditya, Dibrugarh, Saturday, September 2, 2023 ■ Price Rs. 7

বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত প্ৰশিক্ষণ

প্ৰতিবেদক, লাহদৈগড়, ১ ছেপ্টেম্বৰ ঃ যোৰহাট বৰ্ষাৰণ্য প্ৰতিষ্ঠানে আজিৰ পৰা বাঁহৰ সন্দৰ্ভত দহদিনজোৰা এটা প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচী আৰম্ভ কৰিছে। ওড়িষা চৰকাৰৰ বাঁহ উন্নয়ন সংস্থাৰ অৰ্থ সাহায্যত আয়োজন কৰা এই প্ৰশিক্ষণত মুঠতে বাৰজন প্ৰশিক্ষাৰ্থীয়ে অংশগ্ৰহণ ৮ পৃষ্ঠাত

বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত

কৰিছে। ইয়াৰে দহজন বাঁহ কৃষক আৰু বাঁহ শিল্পী, দুজন বন বিভাগৰ বিষয়া। আজি অনুষ্ঠিত চমু উদ্বোধনী অনুষ্ঠানত প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলক গামোচাৰে আদৰণি জনায় প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সঞ্চালক ড° ৰাজীৱ কুমাৰ বৰাই। প্ৰতিষ্ঠানৰ জ্যেষ্ঠ বিজ্ঞানী তথা সম্প্ৰসাৰণ বিভাগৰ মুৰব্বী ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই প্ৰশিক্ষণৰ বিষয়ে সবিস্তাৰে অৱগত কৰে। প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰথম কাৰ্যসূচী হিচাপে বাঁহৰ ভিত্তিক জীৱিকা অৰ্জনৰ বিভিন্ন পথসমূহৰ কলিতাই আলোকপাত কৰে। ইয়াৰ পিছত বাঁহৰ পুলিবাগান তৈয়াৰ কৰা, যতন লোৱা, আদি কৰি ভালেমান বিষয়ত প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়োৱা হয়। প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলে বৰ্ষাৰণ্যত চলি থকা বিভিন্ন বাঁহভিত্তিক গৱেষণা আৰু উন্নয়নৰ লগত জড়িত ক্ষেত্ৰ অধ্যয়ন কৰে। এই দহদিনীয়া প্ৰশিক্ষণত বাঁহনীবাৰী তৈয়াৰ কৰা, বাঁহৰ পৰিশোধন কৰা, বাঁহৰ পৰা কয়লা বনোৱা, বাঁহৰ বিভিন্ন হস্তশিল্প সামগ্ৰী বনোৱা আদিৰ সন্দৰ্ভত প্ৰশিক্ষণ প্ৰদান কৰা হ'ব।

Sept 03, 2023

দেওবৰীয়া দৈনিক

সামাজিক দায়বদ্ধতাত অবিচল

অগ্রদূত

দিগদৰ্শন

www.dainikagradoot.in

Page-09

ওড়িছাৰ বাঁহ কৃষক তথা বাঁহ শিল্পীৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত প্ৰশিক্ষণ আৰম্ভ

অগ্ৰদূত বাৰ্তা

কাকজান, ২ ছেপ্টেম্বৰ ঃ যোৰহাটৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানে কালিৰ পৰা বাঁহৰ ওপৰত ১০ দিন জোৰা এটি প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচী আৰম্ভ কৰিছে।ওড়িছা চৰকাৰৰ বাঁহ উন্নয়ন সংস্থাৰ অৰ্থ সাহায্যত আয়োজন কৰা প্ৰশিক্ষণত ১২ জন প্ৰশিক্ষাৰ্থীয়ে অংশগ্ৰহণ কৰিছে। ইয়াৰ ১০ জন বাঁহ কৃষক আৰু বাঁহ শিল্পী। দুজন বন বিভাগৰ বিষয়া। কালি অনুষ্ঠিত চমু উদ্বোধনী অনুষ্ঠানত প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলক ফুলাম গামোচাৰে আদৰণি জনাই প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সঞ্চালক ড° ৰাজীৱ কুমাৰ বৰাই। প্ৰতিষ্ঠানৰ জ্যেষ্ঠ বিজ্ঞানী তথা সম্প্ৰসাৰণ বিভাগৰ মুৰব্বী ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই প্ৰশিক্ষণৰ বিষয়ে সবিস্তাৰে অৱগত কৰে। প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰথম কাৰ্যসূচী হিচাপে বাঁহ ভিত্তিক জীৱিকা অৰ্জনৰ বিভিন্ন পথসমূহৰ কলিতাই আলোকপাত কৰে। ইয়াৰ পাছত বাঁহৰ পুলিবাগান তৈয়াৰ, যতন লোৱা, আদি কৰি ভালেমান বিষয়ৰ ওপৰত প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়োৱা হয়। প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলে বৰ্ষাৰণ্যত চলি থকা বিভিন্ন বাঁহ ভিত্তিক গৱেষণা আৰু উন্নয়নৰ লগত জড়িত ক্ষেত্ৰ অধ্যয়ন কৰে। ১০ দিনীয়া প্ৰশিক্ষণত বাঁহনি বাৰী তৈয়াৰ, বাঁহৰ পৰিশোধন, বাঁহৰ পৰা কয়লা বনোৱা, বাঁহৰ বিভিন্ন হস্তশিল্প সামগ্ৰী বনোৱা আদিৰ ওপৰত প্ৰশিক্ষণ প্ৰদান কৰা হ'ব। বাঁহ ভিত্তিক কুটিৰ আৰু মজলীয়া উদ্যোগ আদিও পৰিদৰ্শনৰ ব্যৱস্থা কৰা হ'ব।

Sept 03, 2023

দেওবৰীয়া
দৈনিক জনমভূমি
e-paper : www.dainikjanambhumi.co.in
Page-09

ওড়িষাৰ বাঁহ কৃষক, শিল্পীৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত প্ৰশিক্ষণ

যোৰহাট ঃ ২ ছেপ্টেম্বৰ ঃ যোৰহাটৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানে বাঁহৰ ওপৰত দহদিনজোৰা এটি প্ৰশিক্ষণ কাৰ্যসূচী আৰম্ভ কৰিছে। ওড়িষা চৰকাৰৰ বাঁহ উন্নয়ন সংস্থাৰ অৰ্থ সাহায্যত আয়োজন কৰা এইপ্ৰশিক্ষণত মুঠতে বাৰজন প্ৰশিক্ষাৰ্থীয়ে অংশগ্ৰহণ কৰিছে। ইয়াৰে দহজন বাঁহ কৃষক আৰু বাঁহ শিল্পী। দুজন বন বিভাগৰ বিষয়া। শুকুৰবাৰে অনুষ্ঠিত হোৱা চমু উদ্বোধনী অনুষ্ঠানত প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলক আদৰণি জনায় প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সঞ্চালক ড° ৰাজীৱ কুমাৰ বৰাই। প্ৰতিষ্ঠানৰ জ্যেষ্ঠ বিজ্ঞানী তথা সম্প্ৰসাৰণ বিভাগৰ মুৰব্বী ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই প্ৰশিক্ষণৰ বিষয়ে সবিস্তাৰে অৱগত কৰে। প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰথম কাৰ্যসূচী হিচাপে বাঁহভিত্তিক জীৱিকা অৰ্জনৰ বিভিন্ন পথসমূহ কলিতাই আলোকপাত কৰে। ইয়াৰ পাছত বাঁহৰ পুলিবাগান তৈয়াৰ কৰা, যতন লোৱা আদিকৰি ভালেমান বিষয়ত প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়োৱা হয়। প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলে বৰ্ষাৰণ্যত চলি থকা বিভিন্ন বাঁহ ভিত্তিক গৱেষণা আৰু উন্নয়নৰ লগত জড়িত ক্ষেত্ৰ অধ্যয়ন কৰে। এই দহদিনীয়া প্ৰশিক্ষণত বাঁহনি বাৰী তৈয়াৰ কৰা, বাঁহৰ পৰিশোধান কৰা, বাঁহৰ পৰা কয়লা বনোৱা, বাঁহৰ বিভিন্ন হস্তশিল্প সামগ্ৰী বনোৱা আদিৰ ওপৰত প্ৰশিক্ষণ প্ৰদান কৰা হ'ব। বাঁহ ভিত্তিক কুটীৰ আৰু মজলীয়া উদ্যোগ আদিও পাৰিদৰ্শনৰ ব্যৱস্থা কৰা হ'ব।

Sept 03, 2023

EasternChronicle
WINDOW TO THE EAST

WEATHERWATCH
Max 36°c
Min 27°c
Humidity 72%

GYANVAPI CASE: ASI seeks 8 more weeks to submit survey report P 2

3 PAK SOLDIERS, 1 MILITANT killed in shootouts near Afgan border P 2

ASIA CUP: HARDIK'S 87, Ishan's 82 help India post 266 after top-order collapse P 10

VOL 14, ISSUE 154 | PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM ■ GUWAHATI ■ KOLKATA ■ SILCHAR | ■ PAGES 10 ■ epaper at: www.easternchronicle.net | PRICE ₹ 6 ■ | SUNDAY, SEPTEMBER 3, 2023

Page-10

10-day exposure visit cum training of bamboo farmers and artisans from Odisha

CHRONICLE NEWS SERVICE

JORHAT: ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) has started a ten-day long Exposure Visit cum Training of Bamboo Farmers and Artisans from Odisha from 1st September 2023.

The Training Programme is sponsored by Odisha Bamboo Development Agency, Government of Odisha. There are ten Farmers and Artisans along with two Forest Officials.

Dr. R. K. Borah, Director of the Institute welcomed the participants with traditional Phulam Gamosa in a brief inaugural session. Shri R. K. Kalita, Head, of the Extension Division of the Institute, who is also the Course Director of the Training program, apprised in details about the training program.

In his first technical session, Shri Kalita delivered a presentation on bamboo-based employment opportunities for the people of Odisha. He also imparted training on bamboo propagation and nursery techniques. The participants visited various research and development facilities related to bamboo at the Institute on the first day of the training. During the entire period of training, it is planned to impart training on Bamboo Plantation Management, Propagation Techniques, Bamboo Preservation Treatments, Bamboo Charcoal Making, and Hands-on Sessions on Bamboo Handicrafts, apart from visits to bamboo handicraft Units and Bamboo Industries.

Sept 03, 2023

85 years of service to the nation

The Assam Tribune

PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM GUWAHATI & DIBRUGARH

RN-1127/57TECH/GH – 103/2021-2023, VOL. 85, NO. 239

GUWAHATI, SUNDAY, SEPTEMBER 3, 2023

RAJASTAN JEWELLERS

Pt. Harish Ch. Sharma

ACS/IAS

Ph: 86383 91721

p5 Eviction at Silsako on; 131 houses demolished

p8 Students brave flooded school campus in Dhubri district

p19 Djokovic comes back after dropping 2 sets to beat Djere

Page-08

Training for Odisha bamboo farmers, artisans begins at RFRI

STAFF CORRESPONDENT

JORHAT, Sept 2: A 10-day long exposure visit-cum-training of bamboo farmers and artisans from Odisha began at the ICFRE-Rain Forest Research Institute (RFRI) at Sotai on the outskirts of here on Friday.

An RFRI official informed that a group of 10 farmers and artisans are participating in the training programme sponsored by Odisha Bamboo Development Agency under the Odisha government.

Dr Rajib Kumar Borah, director of RFRI, welcomed the participants with traditional *phulam gamusa*s in a brief inaugural session, after which Rajib Kumar Kalita, head of the Extension Division of the institute and also the course director of the training programme, spoke in detail about the training sessions.

In his first technical session, Kalita delivered a presentation on bamboo-based employment opportunities for the people of Odisha and also imparted training on bamboo propagation and nursery techniques. The participants visited various research and development facilities related to bamboo at the institute on the first day of the training.

Training on bamboo plantation management, propagation techniques, bamboo preservation treatments, bamboo charcoal making, hands-on sessions on bamboo handicrafts, apart from visits to bamboo handicraft units and bamboo industries, will be covered during the 10-day programme.

आकाशवाणी